

श्री हुसैन खन्ड कछबाय : मैं जानना चाहता हूँ कि जब से आपने यह तय किया है कि जो चीज हम यहां तैयार कर सकते हैं वह विदेशों से नहीं मंगाएंगे, तब से आपने कितने प्रतिशत प्रगति की है? क्या यह भी सही है कि जो चीज यहां तैयार होती है वह भी काफी मात्रा में आज भी विदेशों से मंगाई जाती है? इसको आगे के लिये रोकने के लिये आपने क्या कार्रवाई की है? क्या आप का एग्रीमेंट है कि इतने साल तक आप सामान बाहर से लेंगे, और जब चीज यहां तैयार होती है तो उसको बाहर से क्यों मंगाया जाता है?

श्री फ़ख़रुद्दीन अली अहमद : इससे पहले मैंने कहा कि हम सिर्फ़ उन्हीं चीजों को इम्पोर्ट करते हैं जिन में बिल्कुल ऐड का सवाल है और जो कि उस बक्त इसमें दाखिल की गई थीं जब कि पहले कंटेन्टर बगैरह हुये थे। आइन्दा जो कंटेन्टर बगैरह हो रहे हैं उन में हम उन चीजों को इम्पोर्ट नहीं करेंगे जो हमारे मुल्क में पैदा होती हैं। जो थोड़े-से आइटम रह गये हैं उन पर हम हर महीने गौर करते हैं और भारत के आइटम बढ़ाते जा रहे हैं।

श्री हुसैन खन्ड कछबाय : मैंने पूछा था कि कितने प्रतिशत प्रगति की।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

INDO-CYLON COLLABORATION

*423. SHRI MOHAN SWARUP : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that India and Ceylon have agreed to co-operate in the field of shipping, ship-building, textiles, electricity and port facilities;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the manner in which the two countries propose to cooperate?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) No such decision has been taken so far.

(b) and (c). Do not arise.

M-9LSS (CP)-68-2

INDUSTRIAL POLICY RESOLUTION

*428. DR. RANEN SEN : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal under consideration to revise the Industrial Policy Resolution of 1956; and

(b) if so, the changes proposed to be made in the Resolution?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) and (b). The question whether the Industrial Policy Resolution of 1956 would require to be amended or amplified is under Government's consideration.

भारतीय माल का गुण-प्रकार

*429. श्री ओ० प्र० त्यागी : क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में निर्मित अधिकतर वस्तुएं विदेशों में निर्मित वस्तुओं की तुलना में घटिया गुण-प्रकार की हैं, जिसके परिणामस्वरूप देश में भारतीय वस्तुओं की अपेक्षा विदेशी वस्तुओं की मांग अधिक है; और

(ख) यदि हां, तो भारतीय वस्तुओं के गुण-प्रकार को सुधारने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फ़ख़रुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, नहीं। कुछ उपभोक्ता वस्तुओं को छोड़कर जिनका उत्पादन देश में इन्हें निम्न प्राथमिकता दिये जाने के कारण अभी पर्याप्त रूप से नहीं हो रहा है, देश के अन्य उत्पादों के घटिया किस्म के होने की कोई भी शिकायतें नहीं मिली हैं।

(ख) भारतीय उत्पादों की किस्म को बनाए रखने का सुनिश्चय करने के लिए सरकार भारतीय मानक संस्था तथा अन्य सम्बद्ध संस्थाओं के जरिये उनके विशिष्ट